मेरे दोस्त मंडेला

एक दादाजी की कहानी

डेनिस हर्बस्टीन

चित्र: पेट्रा



मेरे दोस्त मंडेला

एक दादाजी की कहानी

डेनिस हर्बस्टीन

चित्र: पेट्रा



परिचय

परिचय

नेल्सन मंडेला दुनिया के सबसे प्रसिद्ध कैदी थे. अब वे शायद दुनिया के सबसे प्रसिद्ध दादाजी में से एक हैं! यहाँ वे अपने परिवार के साथ अपना जन्मदिन मना रहे हैं.



यह पुस्तक एक अन्य दादाजी के बारे में है, जो विश्व प्रसिद्ध नहीं हैं. वे अपने छोटे पोते को नेल्सन मंडेला की कहानी सुना रहे हैं. उनके छोटे पोते का नाम एंडिले (एंड-ईल-ए) है और वो अपने दादाजी और नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका से एक बिल्कुल अलग और नए दक्षिण अफ्रीका में पला-बढ़ा है.



एंडिले के दोस्तों में अश्वेत और श्वेत दोनों तरह के बच्चे हैं, और उसे दक्षिण अफ्रीका के अश्वेत लोगों के बेहतर जीवन के लिए नेल्सन मंडेला द्वारा किए गए संघर्ष के बारे में बहुत कम पता है. इसलिए, एंडिले के दादाजी उसे यह कहानी सुनाते हैं.



एंडिले अपने दादाजी को "तमखुलु" बुलाता है, जिसका अर्थ दादाजी होता है.

अध्याय 1

बचपन (1918-1941)

नेल्सन मंडेला एक देहाती लड़का था. जब मैं उसे पहली बार मिला, तब वह हिंद महासागर के पास एक छोटे से गाँव में, मधुमक्खी के छत्ते जैसी एक झोपड़ी में रहता था.

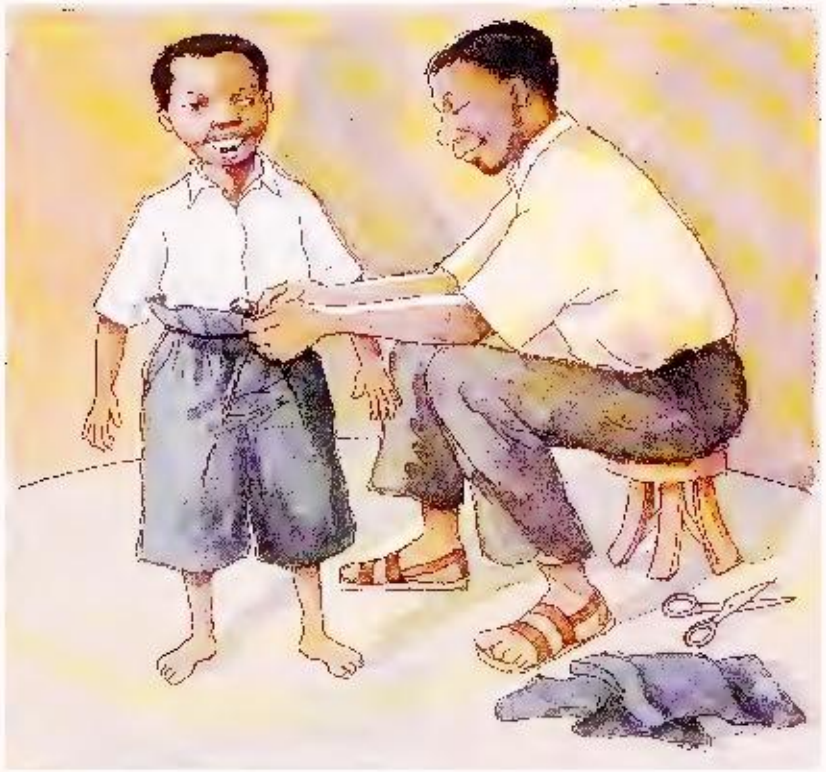
वो उसकी माँ और तीन बहनें, एक ही बर्तन में खाना खाते थे. खाना आमतौर पर "साम्प" होता था - भुट्टे से बना दलिया. लेकिन, वो बहुत स्वादिष्ट होता था!





जब वह पाँच साल का था, तुमसे भी छोटा, जब वह चरवाहा बना. वह भेड़ों और गायों की देखभाल करता था. वो बहुत मेहनत का काम नहीं था. वह अपने दोस्तों के साथ पकड़ा-पकड़ी और लुका-छिपी भी खेलता था, ठीक तुम्हारी तरह. मुझे याद है, तब सर्दियाँ बहुत ठंडी होती थीं, इसलिए कभी-कभी वह कम्बल ओढ़ लेता था. और उसे गाय का गरम दूध पीना बहुत पसंद था.

जब वह सात साल का हुआ, तो उसके पिता ने उसे स्कूल भेजा. उसके पिता गाँव का मुखिया थे और चाहते थे कि उसका बेटा सुंदर दिखे. इसलिए उन्होंने अपनी पतलून काटकर उसे अपने बेटे के पेट पर नाड़े से बाँध दी.





मिशनरी स्कूल में बच्चों की एक कक्षा

वह एक मेथोडिस्ट चर्च स्कूल था और वहां पर उसने अंग्रेज़ी सीखना शुरू की. शिक्षिका, मिस मडिंगेन, ने प्रत्येक छात्र को एक अंग्रेज़ी नाम दिया. किसी को पता नहीं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? लेकिन अचानक, उसका नाम "रोलिहलाहला" नहीं, बल्कि नेल्सन पड़ गया. क्या तुम्हें पता है कि नेल्सन एक प्रसिद्ध अंग्रेज़ी एडमिरल था?



फिर नेल्सन के पिता बीमार पड़ गए और उनकी मृत्यु हो गई. नेल्सन के लिए यह एक बड़ा झटका था, लेकिन फिर उसकी किस्मत चमक उठी, क्योंकि उसके पिता, राजा के चचेरे भाई थे.

एंडिल: अच्छा, तो वह एक राजकुमार था?

ज़्यादा नहीं... इसलिए राजा के बेटे - रीजेंट ने, नेल्सन को शाही महल में रहने के लिए आमंत्रित किया. वहां उसकी अच्छी शिक्षा हुई. और उसने अपने लोगों - खोसा लोगों के बारे में जाना कि कैसे उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी, हालाँकि उन्होंने अपनी बहुत सी ज़मीन गँवा दी थी.



मंडेला का जन्मस्थान और उनका वर्तमान घर



रीजेंट उसे पसंद करते थे - शायद इसलिए क्योंकि वो कड़ी मेहनत करता था और अपनी ज़िम्मेदारी निभाने के हमेशा लिए तैयार रहता था. एक काम जो उसे पसंद था, वह था रीजेंट की पतलून प्रेस करना. लोग हमेशा कहते थे कि मंडेला फैशनेबल कपड़े पहनता था.

रीजेंट ने उसे बोर्डिंग स्कूल भेजा, और बाद में अश्वेत छात्रों के लिए एक विश्वविद्यालय में. लेकिन फिर उसने नेल्सन के लिए एक पत्नी खोजी. तब नेल्सन सिर्फ़ 22 साल का था, शादी के लिए बहुत छोटा. इसलिए, नेल्सन घर छोड़कर भाग गया. बेशक, इससे रीजेंट नाराज़ हुआ, लेकिन नेल्सन भला और क्या कर सकता था?

एंडिले, मैंने तुम्हें बताया था कि उसका खोसा नाम "रोलिहलाहला" है. क्या तुम्हें उसका मतलब पता है?..."उपद्रवी".

लोगों ने कहा कि वो वही बनेगा.



फोर्ट हेयर विश्वविद्यालय का प्रवेश द्वार,
वह विश्वविद्यालय अश्वेत छात्रों के लिए था



उस समय के जोहान्सबर्ग का हवाई दृश्य,
जिसमें सोने की खदानें दिखाई दे रही हैं

अध्याय 2

एक नेता (1941-1962)

वहां से नेल्सन सोने के शहर, जोहान्सबर्ग गए. वो अमीर गोरे लोगों के लिए एक अच्छी जगह थी, लेकिन ज़मीन से एक मील नीचे खदानों से सोना निकालने वाले अश्वेत लोगों को वहां कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी.

नेल्सन ने क़ानून की पढ़ाई करने का फ़ैसला किया. उसके पास अपने अँधेरे कमरे में पढ़ने के लिए रोशनी के लिए मोमबत्तियाँ खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे. लेकिन उसने परीक्षाएँ पास कीं, और अपने दोस्त, ओलिवर टैम्बो के साथ मिलकर उन्होंने वकालत का एक कार्यालय खोला.



एंडिले, अब रंगभेद खत्म हो गया है, लेकिन उस समय हालात काफी ख़राब थे. रंगभेद का उद्देश्य गोरे और काले लोगों को अलग-अलग करना था, लेकिन गोरों को हमेशा बेहतर चीज़ें मिलती थीं.

गोरों के एकमात्र समुद्र तट पर सर्फ़र



अश्वेत बच्चे अक्सर बिना नाश्ता किए, पैदल स्कूल जाते थे. वे मीलों नंगे पाँव चलते थे. एक कक्षा में सौ छात्र हो सकते थे. ज़रा सोचो!

इसलिए, नेल्सन अफ़्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए, जो अश्वेत लोगों की मदद करती थी. वे उस संस्था के नेताओं में से एक बने. तब तक वे अपने परिवार से दूर हो चुके थे और उनकी शादी हो चुकी थी.

एक दिन उनके बेटे ने अपनी माँ से पूछा: "पिताजी कहाँ रहते हैं?" बेटा सिर्फ़ पाँच साल का था. इससे नेल्सन काफी दुखी हुए.



मुक्केबाज़ी के कपड़ों और
दस्तानों में नेल्सन मंडेला

तुमने सुना है कि उन्हें रोज़ाना व्यायाम करके कैसे फिट रहना पसंद था? वे एक उत्साही मुक्केबाज़ थे.

एंडिले: उन्हें मुक्केबाज़ी क्यों पसंद थी, तमखुलु?

वे छह फुट से ज़्यादा लंबे थे और काफ़ी मज़बूत थे. उन्होंने कहा कि मुक्केबाज़ी ने उन्हें गुंडों का मुकाबला करना सिखाया.

आख़िरकार, उन्हें और उनके दोस्तों को एहसास हुआ कि वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों से गलत क़ानून नहीं बदल पाएंगे. फिर उन्होंने सरकार से लड़ने का फ़ैसला किया. नेल्सन सेना के कमांडर-इन-चीफ़, "राष्ट्र का भाला", बन गए.

एंडिले: एक सैनिक!

यह बहुत पुरानी बात है, मेरे बेटे.

पुलिस उन्हें इसके लिए गिरफ़्तार करना चाहती थी. इसलिए उन्होंने पुराने कपड़े पहने और अपनी दाढ़ी बढ़ा ली. लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया और उस पर मुकदमा चलाया गया. वह भाग निकले और ड्राइवर का काम करने लगे. लेकिन पुलिस ने उन्हें फिर से पकड़ लिया. नेल्सन अपने लोगों की आज़ादी के लिए अपनी जान तक न्योछावर करने को तैयार थे!





न्यायाधीश ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई. उस समय वो 45 साल के थे. सरकार को लगा कि नेल्सन को जेल में डालकर वो उन पर काबू पा लेगी.

एंडिले: पर क्या सरकार उन्हें काबू कर पाई?

चलो आगे देखते हैं.



रॉबेन द्वीप के पास से टेबल माउंटेन का हवाई दृश्य

अध्याय 3

जेल (1961-1990)

नेल्सन के एक खतरनाक कैदी माना गया - पुलिस उन्हें रॉबेन द्वीप की जेल में ले गई. वो एक हरी-भरी जगह थी और वहां से पेंगुइन, मृग और टेबल माउंटेन का मनमोहक दृश्य दिखाई देता था. लेकिन धूप में कैदियों के लिए कोई छुट्टी नहीं थी. वो एक किला था, जिस पर दिन-रात कड़ा पहरा रहता था.

नेल्सन की कोठरी छोटी थी. वह उसे तीन क़दमों में पार कर सकता था. पहले, वह ज़मीन पर चटाई बिछाकर सोता था. सर्दियों में वह पतले कंबलों के नीचे ठिठुरता था. उसके पास शर्ट, शॉर्ट्स और सैंडल थे. वे चूने की खदान की चकाचौंध भरी रोशनी में काम करते थे. खाना बिल्कुल भी पौष्टिक नहीं था. लेकिन क्रिसमस के दिन उन्हें एक अतिरिक्त कप कॉफ़ी दी जाती थी.

एंडिले: टर्की और क्रिसमस पुडिंग क्यों नहीं?

मज़ाक मत करो, प्लीज़.





लेकिन रात में वे अपनी पढ़ाई में कड़ी मेहनत करते और खुद को शिक्षित करते थे. वह भोर से पहले ही अपना व्यायाम कर लेते थे. लंबी रातों में, चुपके से, वह अपनी ज़िंदगी की कहानी लिखते और उस कागज़ को आँगन में गाड़ देते क्योंकि जेल के क़ानूनों के तहत ऐसा करना सख्त मना था. बाद में तस्करी करके उन कागज़ों को बाहर लाया गया. यही वह किताब है जो आप दुकानों की खिड़कियों में देखते हैं, "लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम".

अपने परिवारों से अलग रहना उनके लिए बहुत बुरा था. उन्हें हर छह महीने में सिर्फ़ एक ही पत्र मिलता था. वे अपने प्रियजनों की ख़बर का बड़ी बेसब्री से इंतज़ार करते थे. नेल्सन कहते थे कि घर से आया पत्र गर्मियों की बारिश की तरह होता था जो रेगिस्तान को खिलने पर मजबूर कर देता था.



कई सालों बाद हालात बेहतर हुए. बाहरी दुनिया को नेल्सन के बारे में पता चला. लोग "नेल्सन मंडेला को रिहा करो" लिखी टी-शर्ट पहनने लगे. लंदन में, बीबीसी ने विशाल वेम्बली स्टेडियम में, नेल्सन के सत्तरवें जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक पॉप कॉन्सर्ट आयोजित किया.

वह जेल के अंदर भी उतने ही उपद्रवी बने रहे जितने वो बाहर थे.

एंडिले: आपके दोस्त ने एक पॉप कॉन्सर्ट किया; तमखुलु!



नेल्सन मंडेला पॉप कॉन्सर्ट, वेम्बली स्टेडियम, 1988

अध्याय 4

राष्ट्रपति (1994-1999)



नेल्सन मंडेला जेल से बाहर निकलते हुए

नेल्सन ने लिखा कि उन्हें पता था कि एक दिन वह अपने पैरों के नीचे घास को महसूस करेंगे और एक आज़ाद इंसान की तरह धूप में चलेंगे. 1990 में, उन्हें जेल से रिहा किया गया. सत्ताईस साल तक किसी को भी उनका चेहरा देखने की इजाज़त नहीं थी. लेकिन अब लाखों लोग उन्हें टेलीविज़न पर देख सकते थे.



नेल्सन मंडेला और उनकी बेटी, जब उन्होंने दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

चार साल बाद वह हमारे देश, दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति बने. पहली बार, हमारे सभी लोगों - गोरे और काले लोगों ने, शहरों और छोटे गाँवों के लोगों ने, चुनाव में मतदान किया. उन्होंने सभी लोगों को मित्रतापूर्वक साथ रहने के लिए प्रेरित करने की पूरी कोशिश की.

इंग्लैंड की महारानी से मिलते समय वे बकिंघम पैलेस के बगीचों में टहल रहे थे. उन्होंने महारानी से कहा कि वह दिल से अब भी एक गांव के देहाती लड़के थे. वह अपने बचपन के गाँव के पास ही एक घर बनाएंगे जहाँ वह अपना बुढ़ापा बिताएँगे.

एंडिले: मैं उनसे वहाँ मिलना चाहूँगा, तमखुलु.

नेल्सन मंडेला और महारानी अपनी यात्रा के दौरान



कहानी की पृष्ठभूमि

रंगभेद, नस्लीय अलगाव का भयानक कानून था जिसने दक्षिण अफ्रीका में श्वेत अल्पसंख्यकों को, राजनीतिक सत्ता बनाए रखने की अनुमति दी. 1948 और 1994 के बीच श्वेत राष्ट्रीय पार्टी ने इस कानून का इस्तेमाल बाकी आबादी के साथ भेदभाव करने के लिए किया.

आज दक्षिण अफ्रीका में 4 करोड़ से ज़्यादा लोग विभिन्न पृष्ठभूमियों से आते हैं. इसीलिए इसे कभी-कभी "इंद्रधनुष राष्ट्र" भी कहा जाता है.

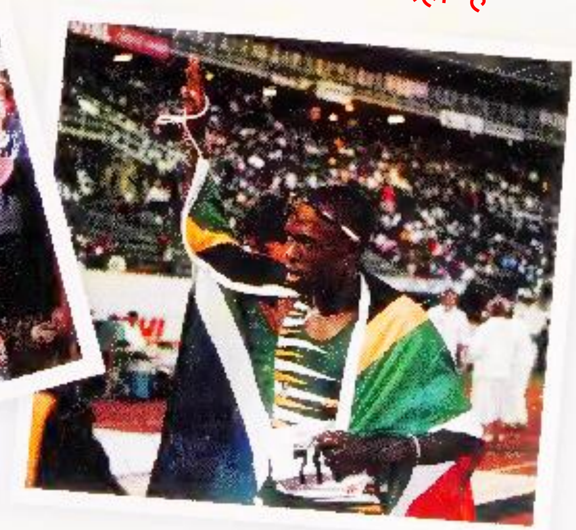
दक्षिण अफ्रीका अब रंगभेद के बुरे दौर से उबर रहा है. अब बहुत से लोग छुट्टियों में या अपने काम के सिलसिले में वहाँ जाते हैं. दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी, अश्वेत और श्वेत दोनों, अब उच्चतम स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं. रंगभेद के कारण यह पहले संभव नहीं था.



युवा दक्षिण अफ़्रीकी लोगों की नई पीढ़ी



इंद्रधनुषी राष्ट्र



झंडा लिए एक दक्षिण अफ़्रीकी खिलाड़ी भीड़ की ओर हाथ हिला रहा है